Dr. Kumari Kiran
Department of Home Science
Al-Hafeez College, Ara.
B.A Part III Child Psychology
Paper — VI Six
Mb. No. = 9199789792

Topic details

Methods of Developmental Psychology
विकासात्मक मनोविज्ञान की अध्ययन - विधियाँ

हम जानते हैं कि किसी भी अध्ययन को विज्ञान की श्रेणी में स्थान दिलाने का श्रेय केवल उस पद्धति पद्धति को ही होता है जिसके द्वारा अध्ययन किया जाता है। यदि अध्ययन पद्धति वैज्ञानिक है तो उस विषय को विज्ञान कहा जाता है। बाल-मनोविज्ञान एक विज्ञान है। यह विज्ञान विकास की प्रक्रिया का वैज्ञानिक अध्ययन करता है। विकासात्मक मनोविज्ञान के अध्ययन के लिए विभिन्न विधियों को अपनाया जाता है जिसमें से मुख्य निम्नलिखित है! —

1. निरीक्षण विधि (Observation Method)
2. बाल-चरित्र का लेखन — Child Biographies
3. साक्षात्कार विधि — Interview
4. मनोमिति विधि — Psychometric Method
5. प्रश्नावली विधि — Questionnaires
6. आत्म-चरित्र का लेखन — Autobiographies
7. मनोशारीरिक अध्ययन — Psycho - Physical Studies
8. तुलनात्मक विधि — Rating Scales
   Comparison Method

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

9. सांख्यिकी विधि — Statistical Method.

10. मनोविश्लेषणात्मक विधि — Psychoanalytical Method.

इन विधियों में से मुख्य अध्ययन विधियों का संक्षिप्त में विवरण किया जा रहा है जो इस प्रकार है।

① निरीक्षण विधि

विकासात्मक अध्ययन के लिए निरीक्षण विधि को व्यापक रूप में अपनाया जाता है। निरीक्षण विधि के अन्तर्गत बालक की बाहरी गतिविधियों को ध्यानपूर्वक देखा जाता है तथा उसके आधार पर ही मनोवैज्ञानिक अध्ययन किया जाता है। उदाहरण के लिए, यदि हम देखते हैं कि किसी बालक या व्यक्ति की आँखें तनी हैं, वह दाँत पीस रहा है तथा उसकी सांस तेज-तेज चल रही है तथा चेहरा तमतमा रहा है तब इन सब शारीरिक दशाओं को देखने के बाद हम कहते हैं कि अमुक व्यक्ति या बालक क्रोध की स्थिति में है। अतः इस आधार पर कहा जा सकता है निरीक्षण विधि के अन्तर्गत बाहरी दशाओं को ही देखकर आन्तरिक दशाओं को जाना जाता है।

निरीक्षण विधि के तत्व — निरीक्षण विधि के मुख्य तत्वों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है।

1. निरीक्षण विधि द्वारा व्यवहार का प्रत्यक्ष अध्ययन किया जाता है।
2. निरीक्षित व्यवहार को साथ के साथ नोट कर लिया जाता है।
3. निरीक्षण व्यवहार की तटस्थ दृष्टिकोण से व्याख्या तथा विश्लेषण किया जाता है।
4. निरीक्षित व्यवहार के आधार पर सामान्य निष्कर्ष प्राप्त किये जाते हैं।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

निरीक्षण विधि के गुण एवं लाभ :— वैज्ञानिक अध्ययन के लिए निरीक्षण विधि को एक विश्वसनीय विधि माना जाता है। इस विधि के मुख्य गुण एवं लाभ निम्नलिखित हैं :—

1) इस विधि द्वारा वस्तुनिष्ठ अध्ययन किया जा सकता है वस्तुनिष्ठ अध्ययन अधिक विश्वसनीय होते हैं।

2) निरीक्षण विधि एक व्यापक विधि है तथा इसके द्वारा व्यापक क्षेत्र का अध्ययन किया जा सकता है। इस विधि के द्वारा विभिन्न प्रकार के अध्ययन किये जा सकते हैं।

3.) इस विधि द्वारा असामान्य व्यवहारों का भी अध्ययन किया जा सकता है जिन बालकों का समुचित विकास नहीं हो पाता उनके अध्ययन के लिए भी निरीक्षण विधि को अपनाया जा सकता है।

4.) निरीक्षण विधि द्वारा सम्बन्धित विषय का अध्ययन स्वाभाविक परिस्थिति में भी किया जा सकता है।

निरीक्षण विधि के दोष एवं सीमाएँ — यह सत्य है कि निरीक्षण विधि के अनेक गुण हैं फिर भी इस विधि की कुछ सीमाएँ हैं, जिन्हें जानना अति आवश्यक है—

1.) निरीक्षण विधि द्वारा अध्ययन करते समय अध्ययन-कर्ता की व्यक्तिगत रुचि का प्रभाव भी अध्ययन पर पड़ जाता है। इससे अध्ययन तटस्थता नहीं रह पाती तथा प्राप्त निष्कर्ष विश्वसनीय नहीं रह पाते।

2.) निरीक्षण विधि द्वारा अध्ययन करते समय पक्षपात की काफी सम्भावना बनी रहती है। पूर्वाग्रहों के कारण पक्षपात हो जाता है तथा परिणाम स्वरूप अध्ययन की वैज्ञानिकता नहीं रह पाती।

3.) विश्वसनीय भी निरीक्षण के लिए निरीक्षणकर्ता को पर्याप्त प्रशिक्षण एवं अभ्यास की आवश्यकता होती है जो कि आसानी से अर्जित नहीं की जा सकती। इस स्थिति में निरीक्षण विधि के सभी लाभों को प्राप्त नहीं किया जा सकता।

4.) निरीक्षण विधि द्वारा केवल प्रत्यक्ष विषयों का ही अध्ययन किया जा सकता है। अप्रत्यक्ष विषयों के लिए अध्ययन के लिए इस विधि को नहीं अपनाया जा सकता।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

(2.) बाल चरित्र का लेखन

विकास की प्रक्रिया तथा बाल-व्यवहार के अध्ययन के लिए 'बाल-चरित्र' के लेखन की विधि को अपनाया जाता है। इस विधि के अन्तर्गत बच्चों के व्यवहार की विभिन्न बातों को नियमित रूप से डायरी में लिखते रहते हैं। इस प्रकार से तैयार विवरण के आधार पर महत्वपूर्ण निष्कर्ष प्राप्त किये जाते हैं। निरीक्षण विधि के ही समान हैं इसके यह विधि भी निरीक्षण विधि के ही समान है।
गुण - दोष भी निरीक्षण विधि के ही समान है।

(3.) साक्षात्कार विधि

साक्षात्कार विधि के द्वारा भी बाल-व्यवहार के अनेक विषयों का अध्ययन किया जाता है इस विधि द्वारा अध्ययन करते समय दो या दो से अधिक व्यक्ति भाग लेते हैं। जिनमें से कम से कम एक साक्षात्कर्ता होता है साक्षात्कार विधि के अर्थ को श्री मति यंग ने इन शब्दों में परिभाषित किया है—

"साक्षात्कार एक व्यवस्थित विधि है जिसमें एक व्यक्ति काल्पनिक रूप से अन्य व्यक्ति के आन्तरिक जीवन में प्रवेश करता है" इस प्रकार साक्षात्कार किसी विशिष्ट उद्देश्य को लेकर दो या दो अधिक व्यक्ति की प्रत्यक्ष का प्रत्यक्ष वार्तालाप होता है। इस वार्तालाप का उद्देश्य विभिन्न तथ्यों को ज्ञात करना होता है।

साक्षात्कार के लाभ एवं महत्व — साक्षात्कार विधि के मुख्य लाभों का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है।

1.) साक्षात्कार द्वारा विश्वसनीय सूचनायें प्राप्त की जा सकती हैं

2.) साक्षात्कार द्वारा विषय से सम्बन्धित गहन सूचनायें प्राप्त की जा सकती हैं।

3.) साक्षात्कार द्वारा विस्तृत एवं पूर्ण सूचनायें प्राप्त की जा सकती हैं। साक्षात्कार एक मात्र ऐसा यन्त्र है जिसके द्वारा अतीत की स्मृतियों और भविष्य की योजनाओं को जाना जा सकता है।

4.) साक्षात्कार द्वारा सूचनाओं का सत्यापन किया जा सकता है।

5.) साक्षात्कार द्वारा गोपनीय एवं भावनात्मक सूचनायें भी प्राप्त की जा सकती हैं।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

(6) साक्षात्कार के दौरान आवश्यक स्पष्टीकरण भी हो सकता है जिससे सही सूचनायें प्राप्त की जा सकती है।

साक्षात्कार विधि की सीमायें → साक्षात्कार एक महँगी विधि है। कुछ क्षेत्रों में यह एक अव्यावहारिक विधि है। कभी-कभी साक्षात्कार दाता कृत्रिम व्यवहार का भी प्रदर्शन करता है। साक्षात्कारकर्ता हर प्रकार से सूचना दाता पर निर्भर करता है। कभी-कभी अविश्वसनीय सूचनायें भी प्राप्त होती हैं साक्षात्कार विधि को अपनाना भी कभी-कभी असुविधाजनक होता है। साक्षात्कार के द्वारा विश्वसनीय अध्ययन करने के लिए योग्य एवं प्रशिक्षित साक्षात्कर्ता भी अनिवार्य है।

(11) मनोविश्लेषणात्मक विधि:

विकासात्मक मनोविज्ञान के कुछ अध्ययनों के लिए मनोविश्लेषणात्मक विधि को भी अपनाया जाता है। इस विधि को प्रतिपादित करने का श्रेय फ्रायड को है। इस विधि द्वारा अचेतन मन की स्थिति को ज्ञात किया जाता है।

नोट! — इस TOPIC से दो तरह के प्रश्न आ सकते हैं — ।

Q.1. विकासात्मक मनोविज्ञान के अध्ययन की मुख्य विधियों का वर्णन करें।

Ques 2. बालक के विकास के लिए अपनायी जाने वाली मुख्य अध्ययन विधियों का वर्णन करें।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner